

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम **दिनिकपात्र**
दिनांक १३.२.२०२० पृष्ठ सं १७ कॉलम ३-६

कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में भी करना होगा सूचना तकनीक का प्रयोग : डा. सहरावत

हक्कि में डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंग्थेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स पर कार्यशाला शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हक्कि) में नेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली की सहभागिता में 12-14 फरवरी तक डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंग्थेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को मौलिक वैज्ञान और मानविकी कालेज के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक अनुसंधान, डा. एसके सहरावत थे। इस अवसर पर आइएआरआइ के प्रधान अवैज्ञानिक एवं एनएचीपी के अंतर्गत आइजी संबंधित प्रोजेक्ट के सीसीपीआई डा. अमरिंदर कुमार भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कृषि कोष की पुस्तकों का विमोचन करते मुख्य अतिथि डा. एसके सहरावत और अन्य। जागरण युग में कंप्यूटर, सूचना संचार के लिए शक्तिशाली उपकरण बन गया है जिसके फलस्वरूप सूचना अथाह रूप से उत्पन्न एवं प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध बहुत सारे ई-रिसोर्सिस जैसे सेरा, कृषि कोष, ई-बुक्स, ई-जरनल आदि को अपने शैक्षणिक स्तर तक इस्तेमाल हो सके। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, डा. बलवान सिंह ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यशाला में पहले दो तकनीकी स्तर, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व छात्रों के लिए एवं अन्य चार तकनीकी कोष, डिजिटल लाइब्रेरी, सेरा, कोहा,



कृषि कोष की पुस्तकों का विमोचन करते मुख्य अतिथि डा. एसके सहरावत और अन्य। जागरण स्कोपस, मैडले, स्लाइगिअरिस्म, डेलनेट, साइटेशन एवं इम्पैक्ट राइटिंग, इत्यादि विषयों से अवगत करवाया जाएगा। जिससे इन सूचना स्रोतों का पूरी तरह से शैक्षणिक स्तर तक इस्तेमाल हो सके। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, डा. बलवान सिंह ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यशाला में पहले दो तकनीकी स्तर, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व छात्रों के से आए कृषि विश्वविद्यालयों से पुस्तकालय विशेषज्ञों के लिए रखे गए हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में लगभग 20 पुस्तकालय विशेषज्ञों एवं विश्वविद्यालय के लगभग 300 वैज्ञानिक व छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर डा. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया व मंच का संचालन डा. भानु प्रताप ने किया। इस अवसर पर सभी कालेजों के अधिष्ठाता एवं निदेशक, विभाग प्रमुख एवं अन्य अतिथि उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....हरिभूमि
दिनांक... १३. २. २०२० पृष्ठ सं.... १५ कॉलम... २-५

सूचना संचार के लिए शक्तिशाली उपकरण बना कंप्यूटर : सहरावत

हरिभूमि न्यूज ► हिसार



हिसार। पुस्तिका का विमोचन करते डॉ. एसके सहरावत। फोटो: हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नयी दिल्ली की सहभागिता में 12-14 फरवरी तक 'डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेथेनिंग' एग्रीकल्चरल

■ हक्कि में तीन नॉलेज इन दिवसीय नार्स' पर कार्यशाला प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ आज मौलिक विज्ञान और मानविकी कॉलेज के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत थे। इस अवसर पर आईएआरआई के प्रधान अन्वेषक वैज्ञानिक एवं एनएचईपी के अन्तर्गत आईजी संबंधित प्रोजेक्ट

के सीसीपीआई डॉ. अमरिंदर कुमार भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कृषि कोष की पुस्तिका का विमोचन किया गया। मुख्य अर्थात् डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि आज के सूचना तकनीकी के प्रभाव के अन्तर्गत सभी सूचना स्रोत उपभोक्ताओं के लिए बिना स्थान व समय की रूकावट के उपलब्ध है। इस सूचना तकनीकी युग में कंप्यूटर, सूचना संचार के लिए शक्तिशाली

उपकरण बन गया है जिसके फलस्वरूप सूचना अथाह रूप से उत्पन्न एवं प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध बहुत सारे ई-रिसेप्शन जैसे सेरा, कृषि कोष, ई-बुक्स, ई-जरनल आदि को अपने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने का आह्वान किया। डॉ. अमरिंदर कुमार ने आयोजित की जा रही तीन दिवसीय कार्यशाला के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

लोक संपर्क कार्यालय चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमृत उज्ज्वला
दिनांक १३.२.२०१० पृष्ठ सं ६ कॉलम ३-५



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली की सहभागिता में 'डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंगिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नास' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को मौलिक विज्ञान और मानविकी कॉलेज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत थे। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने कृषि कोष की पुस्तिका का विमोचन किया। डॉ. एस के सहरावत ने कहा कि, आज के सूचना तकनीकी के प्रभाव के तहत सूचना स्रोत उपभोक्ताओं के लिए बिना स्थान व समय की रुकावट के उपलब्ध है। इस सूचना तकनीकी युग में कंप्यूटर, सूचना संचार के लिए शक्तिशाली उपकरण बन गया है। उन्होंने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध बहुत सारे ई-रिसोर्सिस जैसे सेरा, कृषि कोष, ई-बुक्स, ई-जरनल आदि को अपने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग करने का आह्वान किया। डॉ. अमरिंदर कुमार ने बताया कि कार्यशाला में प्रतिभागियों को कृषि कोष, डिजिटल लाइब्रेरी, सेरा, कोहा, स्कोपस, प्लागिअरिस्म, डेलनेट, साइटेशन एवं इमेक्ट राइटिंग, इत्यादि विषयों से अवगत करवाया जाएगा। पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. बलवान सिंह ने बताया की कार्यशाला में पहले दो तकनीकी स्तर, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व छात्रों के लिए एवं अन्य चार तकनीकी स्तर, विभिन्न राज्यों से आए कृषि विश्वविद्यालयों से पुस्तकालय विशेषज्ञों के लिए रखे गए हैं। इस अवसर पर डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया व मंच का संचालन डॉ. भानु प्रताप ने किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम **भूमिका फ्रिल्पुन, पंजाब एसबी**
 दिनांक **१३.२.२०१०** पृष्ठ सं. **५, ५** कॉलम **५-६, ६**

हकृति में डिजिटल लाइब्रेरी प्रशिक्षण शुरू



हिसार स्थित हकृति में पुस्तक का विमोचन करते डॉ.एसके सहरावत व अन्य। -निस

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नयी दिल्ली की सहभागिता में 12 से 14 फरवरी तक 'डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंथेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स' पर प्रशिक्षण शुरू किया गया। इसके मुख्य अधिकारी अनुसंधान, डॉ. एसके सहरावत थे। इस अवसर पर आईएआई के प्रधान अव्येषक वैज्ञानिक एवं एनएचईपी के अन्तर्गत आईजी संबंधित प्रोजेक्ट के सीरीपीआई डॉ. अमरिंदर कुमार भी उपस्थित थे। डॉ. एसके सहरावत ने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध बहुत सारे ई-रिसोर्सिस जैसे सेरा, कृषि कोष, ई-बुक्स, ई-जरनल आदि को अपने शैक्षणिक उद्घेश्यों के लिए प्रयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने कृषि कोष की पुरिताका का विमोचन किया। कार्यशाला में लगभग 20 पुस्तकालय विशेषज्ञों एवं विश्वविद्यालय के लगभग 300 वैज्ञानिक व छात्रों ने माग लिया।

3 दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

हिसार, 12 फरवरी (ब्लूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'डिजिटल लाइब्रेरी फॉर स्ट्रेंथेनिंग एग्रीकल्चरल नॉलेज इन नार्स' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ मौलिक विज्ञान और मानविकी कॉलेज के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अधिकारी निदेशक अनुसंधान, डॉ. एस.के. सहरावत थे। इस अवसर पर आई.ए.आर.आई. के प्रधान अव्येषक वैज्ञानिक एवं एन.ए.एच.ई.पी. के अन्तर्गत आई.जी. संबंधित प्रोजेक्ट के सी.सी.पी.आई. डा. अमरिंदर कुमार भी उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक १२. १. २०२० पृष्ठ सं ३ कॉलम १-५

हकृति में तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

कार्यशाला में 20 पुस्तकालय विशेषज्ञों एवं विश्वविद्यालय के 300 वैज्ञानिक व छात्रों ने लिया भाग

सिटी प्लॉय न्यूज़लैंड, हिसार। तर्हयामा कृषि विकासविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली को घोषित किया गया। इसमें 14-15 फारां एक दिन भी बित्तल लालवाहे फौ रुपए रुपाणी एवं एकलबल नीले डन नामी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सुभाषण आज किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अधिकारी निदेशक अनुसंधान, डॉ. एप्पें स्हारहट थे। इस अवसर पर अंग्रेज़ और अंग्रेज़ के प्रत्यक्ष अन्तर्विद्युत वैज्ञानिक एवं एनाएचर्डी के अन्तर्गत आठों स्थानीय प्रांजिक के संघोंग अंडे द्वा अमरिटर कुमार भी अवधारित थे। इस अवसर पर मुख्य अधिकारी द्वारा कृषि कोष का पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया।

मुख्य अधिकारी द्वारा एप्रिल
संवादकारी ने कहा कि डॉगे के सूचना
तकनीकी के प्रभाव के अवधारणा
सूचना चौथे डायोप्टरों के लिए
किसी ग्राहक व समाज की रुकावट के
उत्तराधिकार है। इस सूचना तकनीकी द्वारा
में कानून, सूचना संचयन के लिए
उपलब्ध विभिन्न व्यवस्थाएँ बन मिल
जिसके परिणामस्वरूप सूचना अधि-
कारी से डॉगे एवं इनकी बोर्ड द्वारा
कृषि अनुसारी बान के छोड़े
उत्तराधिकार व्यवस्था द्वारा दूसरी
दोषों, कृषि कार्य इन कृषकों
अटि को अपने ऐसीकै तदोद्देश्य
के लिए प्रयोग करने का आवश्य-
किया।

जिसके पालवर्षीय सूचन अथवा
स्पष्ट में लक्षण एवं इत्तमाला से जीवों के
उत्तरोन्तर कथि अनुसारी वान के छोड़ने
उपलब्ध बहुत यार हैं-स्थिरपद्धति जैसे
देख, कृषि काश इत्युक्ता, उज्जनन
आदि को आपने प्रौद्योगिक उत्तरोन्तर
के लिए प्रयोग करने थे। अत्यधि-



दिमार। मुख्य अंतिष्ठि दों परके सहावत पश्चिम का विस्तोरन करते हुए।

विश्वविद्यालय के तैयारीों व उसको
के लिए एवं अन्त तक उक्तीकी
ज्ञान, उत्तर प्राप्त के निम्नलिखित
आदि कृषि विश्वविद्यालयों से
एवं अन्यलय तैयारीके लिए सहाय
है। उक्तोंने बताया कि इस कार्यक्रमाता
में लगभग 20 पुस्तकालय विशेषज्ञों
एवं विश्वविद्यालयों के लगभग 300
वैज्ञानिक व अध्यारों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम की समर्पणाता
डॉ. शीम पटमर ने कहा कि
काव्यशाला के दोस्रा सभी विषयों
पर जानकारी देने के लिए दूसरे
विशेषज्ञानात्मक सभा भाग विशेषज्ञा
को आयोगिक किया गया है तथा
इसमें वहीं पुस्तकालय विशेषज्ञों
को आगे-आगे पुस्तकालयों में
प्रगतियों को खोलने सुचना सुनना
प्रदर्शन करने में लाभ होगा। इस
अवसर पर डॉ. राजीव फुमार
पटेलिया ने ध्यनवद्ध प्रसादचंद्र शेरा
किंवा व मंच का गवालन दी। भानु
प्रताप ने किया। इस अवसर पर
याथौ कल्पनाते के अधिकार एवं
निर्देशक, बिभाग प्रमुख एवं अन्य
अविभागीय उपस्थिति थीं।